खबर संक्षेप

भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष से की सौजन्य भेंट

शहडोल। मध्यप्रदेश भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने सोमवार को भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में सौजन्य भेंट की। यह भेंट प्रदेश कार्यकारिणी एवं सभी जिला अध्यक्षों की पहली बैठक के पश्चात हुई, जिसमें प्रदेश संगठन की आगामी दिशा और कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। अपने दो दिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान श्रीमती अमिता चपरा ने श्री खंडेलवाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर शहडोल जिले के समस्त वरिष्ठ, ज्येष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्री खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने पर अपनी शुभेच्छाएं प्रकट करते हुए संगठन को नई ऊर्जा देने की अपेक्षा जताई।

सामूहिक प्रयास कर बनाए नशामुक्त समाज

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस ने एक वृहद 'नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान' 30 जुलाई 2025 तक प्रदेश में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जिला मुख्यालय में थाना जीआरपी शहडोल द्वारा रेल्वे स्टेशन में विद्यार्थियो, युवाओं, यात्रियो व रेल कर्मियो को नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। नशा मुक्ति समाज बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना होगा, नशा से होने वाले दुष्यप्रभावो के बारे में स्वय जागरूक रहे और दूसरो को भी जागरूक करें। नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को भी बर्बाद कर देता है।

ग्रामीणों ने खोली फर्जी बिलों की परतें, जिम्मेदार अब भी मौन

काजू-बादाम के बाद अब 'मुरूम कांड' से शर्मसार भदवाही पंचायत

भदवाही पंचायत पर अब मुरूम घोटाले के गंभीर आरोप लगे हैं, जागरूक ग्रामीणों ने पंचायत दर्पण पोर्टल से दस्तावेज जुटाकर और मौके का वीडियो बनाकर सच्चाई उजागर की है। बावजूद इसके जिला प्रशासन की चुप्पी और जांच की धीमी रफ्तार ने पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजकुमार सिंह

गोविंद सिंह

लल्लू सिंह

शहडोल। जिले की गोहपारू जनपद की ग्राम पंचायत भदवाही एक बार फिर भ्रष्टाचार के दलदल में धंसी नजर आ रही है। पहले जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के नाम पर काजू, बादाम और ड्रायफ्रूट्स जैसे शाही व्यंजनों के फर्जी बिलों से सुर्खियों में रही यह पंचायत अब मुरूम घोटाले को लेकर चर्चा में है। यह खुलासा किसी पत्रकार या जांच एजेंसी ने नहीं, बल्कि स्वयं जागरूक ग्रामीणों ने किया है, जिन्होंने इस बार न केवल सरकारी दस्तावेजों की प्रतियां पंचायत दर्पण पोर्टल से निकालीं, बल्कि वास्तविक हालात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

मुरूम तो बिछाया नहीं गया

ग्रामीण राजकुमार सिंह, गोविंद सिंह और लल्लू सिंह ने मिलकर पूरे प्रकरण की परतें खोलीं। उन्होंने बताया कि पंचायत ने सुपत नामक ग्रामीण के घर से ठेंगरहा तक 35 ट्राली मुरूम डालने का उल्लेख बिल क्रमांक 982 में किया है, जिसकी तिथि 27 जून दर्शाई गई है और इसके एवज में 35,000 रुपए का भुगतान ठेकेदार लल्लू केवट के खाते में कर दिया गया। इसी तरह कामता नामक ग्रामीण के घर से जिनवानी तक 32 ट्राली मुरूम डालना दर्शाया गया है, जिसका भुगतान बिल क्रमांक 981 के तहत 28 जून को 32,000 रुपये में किया गया, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि वहां एक चुटकी मुरूम भी नहीं बिछाई गई है। गोविंद सिंह ने बताया, हम खुद उन जगहों पर गए, जहां मुरूम बिछाने का दावा किया गया है। वहां सिर्फ कच्ची मिट्टी है, कोई निर्माण कार्य नहीं।

जिला प्रशासन का 'मौन तप' और पंचायत की मनमानी

जहां एक ओर भाजपा विधायक शरद कोल और शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने पूर्व में पेंट और ड्रायफ्रूट घोटाले को लेकर कड़ी भाषा में बयान दिए थे, वहीं जिला प्रशासन अब भी 'नीर-क्षीर विवेक' में डूबा प्रतीत होता है। जिम्मेदार अधिकारी या तो 'फाइल देखकर सोचने की प्रक्रिया में हैं' या फिर 'विवेचना के झूले में बैठे हैं।' कोई यह तय नहीं कर पा रहा कि इतने स्पष्ट वीडियो, दस्तावेज़ और गवाहों के बावजूद जांच कब शुरू होगी और दोषी कब पकड़ में आएंगे।

हर बिल में नया चमत्कार

इस प्रकरण ने एक बार फिर पंचायतों में जड़ जमा चुके फर्जी बिल उद्योग की पोल खोल दी है। भदवाही में न मुरूम बिछा, न सडक़ बनी, फिर भी भुगतान हो गया, वह भी सरकारी पोर्टल पर दर्ज होकर। राजकुमार सिंह ने कहा, 'हमें डर है कि आगे कहीं हमारे नाम पर पुलिया या सामुदायिक भवन न बना दिए जाएं, और हमें पता भी न चले!'

लल्लू केवट ठेकेदार की भूमिका पर सवाल

इस पूरे मामले में बार-बार लल्लू केवट नामक ठेकेदार का नाम आ रहा है, जिनके बिलों पर ये भुगतान किए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव, सरपंच और जनपद के अधिकारियों की मिलीभगत से यह कार्य किया गया है। लल्लू सिंह ने कहा, 'हमारे गांव की सडक़ें अब व्हाट्सएप पर ही बन रही हैं, धरातल पर कुछ नहीं। अगर ये घोटाले ऐसे ही चलते रहे, तो विकास की परिभाषा ही बदल जाएगी।'

सवालों की फेहरिस्त और जवाबों की कमी

1. क्या जिला प्रशासन को वायरल वीडियो नहीं दिखे?
2. क्या पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज भुगतान झूठे हैं?
3. क्या शासन के निर्देश अब 'देखेंगे-समझेंगे' में तब्दील हो गए हैं?
4. क्यों भ्रष्टाचार के मामलों में जांच और कार्यवाही 'तत्काल' नहीं होती?

अंतिम पंक्ति-जनता अब जवाब चाहती है

भदवाही पंचायत में मुरूम घोटाला काजू-बादाम घोटाले का ही विस्तार है। यदि ऐसे मामलों में कड़ी कार्यवाही नहीं की गई, तो यह घोटाला पद्धति पूरे जनपद और फिर जिले भर में फैल जाएगी।

'अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक चुप रहो, जांच हो रही है' की स्क्रिप्ट पर चलता है, और कब जनता को वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई की सुगंध मिलती है। क्योंकि इस बार मामला मुरूम का है... जो अब ज़मीन पर नहीं, सीधा ज़मीर पर बिछाया गया है।

सूदखोरों का नया सिद्धांत: एक लाख दो, पांच लाख मांगों

महिला ने कप्तान से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। संभागीय मुख्यालय में सूदखोरी अब सिर्फ एक धंधा नहीं, एक पूर्णकालिक 'धर्म' बनता जा रहा है। यहां के सूदखोर अब ऐसा कारोबार चला रहे हैं, जिसमें 'दे एक लाख - ले पांच लाख की धमकी' जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। नियम, कानून, नैतिकता और इंसानियत इन शब्दों को उन्होंने अपने धंधे के शब्दकोश से हटा दिया है और प्रशासन? वह या तो आंखें बंद किए बैठा है या 'शिकायत की कमी' जैसे बहानों की ओट में पूरी कहानी को अनदेखा कर रहा है। संभागीय मुख्यालय की एक गृहणी दीपू चतुर्वेदी ने अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए एक सूदखोर से 'सिर्फ 1 लाख रुपये' लिए थे, लेकिन अजय गुप्ता नामक यह सूदखोर शायद अपने आप को खुद की अदालत, खुद की पुलिस और खुद का इनकम टैक्स ऑफिस मानता है। उसने 1 लाख देने के एवज में एक सादा चेक लिया, गारंटी के नाम पर और जब महिला ने ब्याज समेत 1 लाख 34 हजार रुपये लौटा दिए, तब भी उसे संतोष नहीं हुआ।

महाशय ने उस गारंटी चेक में सीधा पांच लाख रुपये की राशि भर दी, शायद सूदखोरी में भी अब 'लकी ड्रा' या 'बोनस स्कीम' चल रही है। चेक बाउंस कराया गया और अब दीपू चतुर्वेदी को कोर्ट में घसीटने की धमकियां दी जा रही हैं। एक तो चोरी, ऊपर से सीनाजोरी की मिसाल कहें या इसे 'शहडोल सूद मंच' की ब्रांडेड रणनीति?

दीपू चतुर्वेदी का दर्द सिर्फ एक व्यक्ति की शिकायत नहीं, बल्कि शहर के उस स्याह सच को उजागर करता है, जिसे हम सब जानते हैं, लेकिन बोलने की हिम्मत नहीं करते। शहडोल के हर मोहल्ले में ऐसे अघोषित बैंक चलते हैं, जहां 'नो केवाईसी' और 'नो पेपरवर्क' की सुविधा के साथ अत्यधिक ब्याज पर रकम दी जाती है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां वसूली के लिए फोन नहीं, धमकी काम आती है। शिकायत में दीपू ने साफ कहा है कि अजय गुप्ता ने उन्हें गाली-गलौज कर धमकाया और बोला कि 5 लाख तो लेकर ही रहूंगा। पुलिस अधीक्षक को सौंपे आवेदन में महिला ने साफ तौर पर मांग की है कि अजय गुप्ता के खिलाफ चेक के दुरुपयोग, धोखाधड़ी और अवैध वसूली के प्रयास में सख्त कार्रवाई हो, लेकिन अब देखना यह है कि पुलिस इस मामले को भी 'सिविल मामला' बताकर टाल देती है, या कानून के दम पर सूदखोरी के इस साए को मिटाने का साहस दिखाती है। दरअसल, शहडोल में सूदखोरी कोई छुपी हुई बात नहीं है। हर थाना क्षेत्र में, हर बाजार के कोने में, हर मोहल्ले के नुक्कड़ पर ऐसे 'आर्थिक दानव' खुलेआम बैठे हैं, लेकिन शिकायत करने वालों को या तो धमकाया जाता है या फिर यह कहकर चुप करा दिया जाता है कि 'ब्याज का मामला तो आपसी समझौते का होता है'।

24 युवा बनेंगे डी-लाइसेंस सर्टिफाइड फुटबॉल कोच

छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

शहडोल। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि रिलायंस सीबीएम परियोजना द्वारा मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन की अनुशंसा पर रिलायंस फाउंडेशन और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के सहयोग से 24 चयनित युवाओं के लिए डी-लाइसेंस फुटबॉल कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह छह दिवसीय प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है। इसका उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है, ताकि वे राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त फुटबॉल कोच बन सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम रिलायंस फाउडेशन क्लब शहडोल के माध्यम से किया गया है। सहायक संचालक खेल एवं एनआईएस कोच रईस अहमद ने बताया कि शहडोल जिले में खेलों के माध्यम से सामाजिक विकास और युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में हो रहे प्रयासों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान तब मिली, जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने शहडोल प्रवास के दौरान फुटबॉल क्रांति एवं 'विचारपुर मिनी ब्राज़ील' के रूप में स्थानीय फुटबॉल कार्यक्रम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस पहल की चर्चा 'मन की बात' कार्यक्रम और एक अमेरिकी पॉडकास्टर से संवाद के दौरान भी की। रिलायंस सीबीएम सीएसआर हेड राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि जिले के 13 स्कूलों में फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र पहले से ही संचालित हैं, जहां 400 से अधिक बच्चे ई-लाइसेंस कोचों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण केवल कोचिंग सर्टिफिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, रोजगार के अवसर प्राप्त करने और नेतृत्व कौशल विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर कोच एजुकेटर शिवा (बंगलुरु) ने कहा, शहडोल में फुटबॉल की गहरी संभावनाएं हैं। युवाओं को तकनीकी और व्यवहारिक दोनों रूपों में एक प्रभावी कोच के रूप में विकसित किया जा सके। इस अवसर पर डॉ. शमीम खान, खेल समन्वयक अश्वनी शर्मा उपस्थित थें।

कलेक्टर ने दूर-दराज से आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम मिठौरी निवासी रामलाल प्रजापति ने जांच कराकर बिजली बिल कम कराने, ग्राम बरौंधा तहसील ब्यौहारी निवासी शिवकुमार मिश्रा ने आवासीय प्लाट आवंटित करने, धनपुरी निवासी अलिया खान आयुष्मान कार्ड बनवाने, ग्राम छतवई निवासी समनी बैगा राशन दिलाए जाने, शहडोल वार्ड नम्बर 29 निवासी श्रद्धा वर्मन ने शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में प्रवेश दिलाने हेतु आवेदन कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को दिए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेशित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर

प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

बैंक ऑफ बड़ौदा, धनपुरी शाखा में उपभोक्ता परेशान

नाम सुधार के लिए चक्कर पर चक्कर- बैंकिंग सेवा या मानसिक उत्पीडऩ?

शहडोल। जिले के धनपुरी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा इन दिनों बैंकिंग सुविधा का केंद्र नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए परेशानी और मानसिक उत्पीडऩ का अड्डा बन चुकी है। बैंक कर्मचारियों और शाखा प्रबंधक की मनमानी के चलते छोटे-छोटे कार्यों के लिए ग्राहकों को बार-बार चक्कर काटने पड़ रहे हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है अजय तलरेजा नामक उपभोक्ता का, जिन्होंने बैंक खाते में मात्र नाम सुधार कराने के लिए आवेदन दिया था। लेकिन यह मामूली-सा काम बैंक की नौकरशाही में उलझकर एक बड़ी और मानसिक रूप से थकाने वाली प्रक्रिया में तब्दील हो गया।

रखी जा रही शर्त पर शर्त

शाखा प्रबंधक द्वारा पहले शपथ पत्र मांगा गया। जब अजय तलरेजा ने वह उपलब्ध कराया, तो अगली शर्त समाचार पत्र में नाम

सुधार की सूचना प्रकाशित करवाने की रखी गई। यह कार्य भी पूरा करने के बाद बैंक ने फिर नई शर्त थोप दी, नाम सुधार के लिए मध्यप्रदेश शासन के राजपत्र (गजट) में प्रकाशन करवाया जाए। इसके बाद भी वार्ड पार्षद और सीएमओ की सील सहित प्रमाणपत्र लाने की मांग की गई। उपभोक्ता ने ये सभी दस्तावेज बैंक को सौंप दिए और यहाँ तक कि खुद जिम्मेदारी लेते हुए लिखित में गारंटी भी दी कि नाम सुधार में कोई त्रुटि होने पर वे स्वयं उत्तरदायी होंगे। बावजूद बैंक की ओर से कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई और शाखा प्रबंधक टालमटोल करते रहे।

किया जा रहा मानसिक रूप से परेशान

अजय तलरेजा ने आरोप लगाया कि यह व्यवहार जानबूझकर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने के उद्देश्य से किया गया ताकि या तो वे रिश्वत देने को मजबूर हो जाएं या खाता बंद कर दें। इस घटनाक्रम से क्षुब्ध होकर उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय और मुंबई मुख्यालय को ईमेल व डाक के माध्यम से लिखित शिकायत भेजी है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। धनपुरी क्षेत्र के अन्य उपभोक्ताओं ने भी शिकायत की है कि

उपभोक्ता अजय तलरेजा ने की उच्च अधिकारियों से शिकायत, अन्य ग्राहक भी नाराज

शाखा में छोटे कार्यों के लिए बार-बार बुलाया जाता है। पासबुक प्रिंटिंग, चेक क्लियरेंस और नकद जमा जैसी सामान्य सेवाओं में भी अत्यधिक विलंब होता है। व्यापारियों का कहना है कि बैंक की कार्यप्रणाली व्यापारिक कार्यों में बाधा बन रही है, और कई लोग अब खाता बंद करने की योजना बना रहे हैं।

अधिकारी लें शिकायत पर संज्ञान

ग्राहकों ने मांग की है कि बैंक प्रबंधन इस पर संज्ञान लेकर शाखा में एक शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति करे ताकि ग्राहकों को इस प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। अब देखना यह है कि अजय तलरेजा की शिकायत पर बैंक के उच्च अधिकारी क्या कदम उठाते हैं और क्या इस बार उपभोक्ताओं को वास्तव में न्याय मिलेगा या यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

सीसीटीवी ने खोली 'खाकी' की करतूत

बर्थडे पार्टी में पुलिसिया सरप्राइज: केक नहीं, लात-घूंसे परोसे गए!

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत अमलाई चौक स्थित एक निजी होटल में सोमवार रात एक बर्थडे पार्टी ऐसा मोड़ लेगी, यह किसी ने नहीं सोचा था। ग्राम जमुई से आए कुछ युवक होटल के एक कमरे में जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे, केक काटा जा रहा था, हंसी-मजाक चल रहा था, तभी अचानक पार्टी में 'स्पेशल गेस्ट' की एंट्री होती है, पुलिस आरक्षक शिशिर की। शिशिर साहब, जो शायद बगल के कमरे में जाम से 'ड्यूटी के तनाव' को धोने में व्यस्त थे, अचानक इतने भावुक हो गए कि केक काटने का अधिकार उन्हें भी चाहिए था, लेकिन उन्होंने केक मांगने की जगह सीधे लात-घूंसे सर्व किए। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो पहले गालियों की बौछार हुई, फिर बर्थडे बॉय समेत सबको कमरे में 'बंधक सुविधा' प्रदान की गई और उसके बाद 'फ्री-हैंड मार्शल आर्ट डेमो' का लाइव प्रदर्शन भी कर दिया गया। जिनके हाथ में मोमबत्ती जलनी थी, उनके गाल जल उठे। जिनके चेहरों पर मुस्कान होनी थी, वहां अब सूजन थी और जो केक टेबल पर शोभा बढ़ा रहा था, वह दीवार पर फैला पड़ा था। पूरी घटना होटल के सीसीटीवी में कैद हो गई, यानी यह कोई 'कथित आरोप' नहीं, पूरी तरह से 'डिजिटल प्रमाणित बवाल' था।

कहते हैं शिशिर जी की यह कोई पहली प्रस्तुति नहीं थी। पहले भी कई ऐसे शो किए जा चुके हैं, बस कैमरे मौजूद नहीं थे। अब जब कैमरा और सोशल मीडिया दोनों उपलब्ध हैं, तो यह करतूत वायरल होना ही थी। सवाल ये भी उठ रहा है कि क्या शिशिर जी उस समय ड्यूटी पर थे या 'ड्रिंक विद डिश' के ऑफ ड्यूटी पैकेज में पार्टी क्रैश करने आए थे?मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने ताबड़तोड़ संज्ञान लेते हुए शिशिर को 'लाइन अटैच' कर दिया है। यानी अब वो लाइन में खड़े होकर सोचेंगे कि अगली बार किसी का जन्मदिन खराब करने से पहले दो बार विचार करना चाहिए। एसपी साहब ने जांच के आदेश दिए हैं और स्पष्ट किया है कि दोषी पाए जाने पर 'सख्त से सख्त' कार्रवाई की जाएगी यह अलग बात है कि सख्ती की यह परिभाषा विभागीय भाषा में 'मामूली फटकार' भी हो सकती है। फिलहाल युवकों ने शिकायत दर्ज करवा दी है और जनता भी उम्मीद कर रही है कि वर्दी को वफादारी का प्रतीक बनाने वाले लोग इस घटना से कुछ सीख लेंगे।

खबर संक्षेप

फुनगा भाजपा मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के अनुमोदन पर जिले के अनूपपुर विधानसभा अंतर्गत भाजपा मंडल फुनगा के स्थानीय भाजपा मंडल में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल ने जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम की सहमति से 61 सदस्यीय टीम बनाई है। कार्यकारिणी में पांच उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, महेंद्र सिंह, प्रेमनाथ केवट, राम प्यारे गौतम, राकेश पटेल, दो महामंत्री नरेंद्र सिंह एवं उदयभान पटेल, और पांच मंत्री मनोज चंद्रा, श्रीमती ममता चौधरी, शुभम कुमार, शिव प्रताप राठौर, प्रकाश नामदेव, एक कोषाध्यक्ष श्रीमती नर्मदा सिंह एक कार्यालय मंत्री राजाराम तिवारी और एक मीडिया प्रभारी दिगंबर शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी महेश यादव सह सोशल मीडिया प्रभारी मनोज पनिका एवं आईटी सेल प्रभारी गंगाराम यादव को भाजपा मंडल फुनगा की नवीन कार्यकारिणी में दायित्व दिया गया है। मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि नई कार्यकारिणी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के अनुरूप काम करेगी। संगठन की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे।

कोल इंडिया डीपीसी की बैठक में चीफ मैनेजर से जीएम पद पर पदोन्नति की अनुशंसा

हरिभूमि न्यूज राजनगर। कोल इंडिया ने उत्खनन संवर्ग (एक्सकैवेशन) के 37 अधिकारियों को महाप्रबंधक (जीएम) के पद पर पदोन्नत करने की अनुशंसा की है। यह अनुशंसा 23 व 30 जून तथा 10 व 11 जुलाई 25 को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में हुए साक्षात्कार के आधार पर की गई है। इस आलोक में कोल इंडिया अधिकारी स्थापना विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इसके मुताबिक इ-7 से इ-8 में पदोन्नति के लिए कुल 37 अधिकारियों की अनुशंसा डीपीसी ने की है। बता दें अनुभव और दक्षता के साथ इंटरव्यू यादव को भी शामिल किया गया है। इससे न और केवल अधिकारियों को करियर में बाद प्रगति का अवसर मिलेगा, बल्कि भी कंपनी की भी अनुभवी नेतृत्व का लाभ लिए मिलेगा।

संजीवनी क्लीनिक का जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने किया निरीक्षण

उमरिया। नगर के सिंगलटोला में संचालित मुख्यमंत्री संजीवीनी क्लिनिक का जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस बी चौधरी द्वारा औचक निरिक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि चिकत्सा अधिकारी डॉ अनिल गुप्ता द्वारा क्लिनिक में आने वाले सभी मरीजों की जाँच कर उपचार किया जा रहा है तथा मरीजों की एंट्री भी रजिस्टर में नियमित रूप से की जा रही है जबकि नर्सिंग ऑफिसर द्वारा मरीजों को दवाइयां दी जा रही है। क्लीनिक परिसर में साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था समुचित पाई गइ। क्लिनिक में गर्भवती महिलाओ की जाँच, उपचार के साथ साथ उनका टीकाकरण तथा बच्चों को राष्ट्रीय टीकाकरण मापदंड के अनुसार टीकाकरण की सेवाएं निरंतर दी जा रही है.।

अवारा पशुओं को गौशाला में रखने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के संज्ञान में यह बात आई है कि नगर में घूम रहे अवारा पशुओ के कारण घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है । उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा से कहा है कि नगर में घूम रहे अवारा पशुओ को गौशाला मे रखा जाए , ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नही हो सके।बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

एफआईआर भी दर्ज, चालान भी पेश, कुर्सी से मोहब्बत अब भी बरकरार

मुखिया की मेहरबानी से भ्रष्टाचारियों की चांदी

घोटालेबाज कार्यालय में, न्याय की तलाश में जनता

उमरिया। सरकारी तंत्र की शिथिलता, प्रशासनिक चुप्पी और विभागीय निठल्लेपन का अद्भुत संगम जिले के पाली जनपद में देखने को मिल रहा है, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम को लूट का चारागाह बना दिया गया है।

मामला उजागर हो चुका है, एफआईआर दर्ज हो चुकी है, तत्कालीन थाना प्रभारी चालान भी पेश कर चुके हैं, लेकिन हैरत की बात यह है कि जिन भ्रष्ट कर्मचारियों ने सरकारी धन को अपनी जागीर समझ लिया, वे आज भी उसी टेबल-कुर्सी पर विराजमान हैं, जहां से उन्होंने खेल खेला था।

तू रानी, मैं रानी, कौन डाले चुल्लू भर पानी?

पाली जनपद की ग्राम पंचायतों में हुए आवास घोटाले की जांच पूरी हो चुकी है। गवाही, दस्तावेज, जियो टैग, बैंक खातों की बाजीगरी सब कुछ सार्वजनिक हो गया। यहां तक कि पुलिस ने भी चालान पेश कर दिया, लेकिन जिला पंचायत प्रशासन, खासतौर पर सीईओ साहब को अब तक संभवतः 'अधिकृत सूचना' नहीं मिली है। कहने को तो वे मुखिया हैं, लेकिन उनके रवैये से लग रहा है मानो वे घोटाले के शुभचिंतक बन बैठे हों। चर्चा है कि भ्रष्टाचारियों की कुर्सी पर अब विभागीय गोंद लग चुका है, जो उन्हें चिपका कर रखे हुए है?

घोटाले का मास्टर प्लान

जनपद पंचायत पाली के सीईओ की लॉगिन

आईडी का दुरुपयोग कर पात्र हितग्राहियों के नाम से खाते बदल दिए गए। पतरूराम भगत (सहायक लेखाधिकारी) और ब्लॉक समन्वयक इब्राहिम नोमानी की जोड़ी ने डिजिटल सिग्नेचर की जादूगरी से लगभग 18 लाख 9 हजार 860 रुपये की सरकारी राशि को 'निजी तरक्की योजना' में बदल दिया। सीधे-सपाट शब्दों में कहें तो, पात्र गरीबों के लिए स्वीकृत आवास योजना को उन लोगों ने हथिया लिया जो शायद अपनी बेईमानी के लिए अलग से सम्मानित होना चाहते हैं। जिला स्तरीय जांच में मामला साफ हो गया। कागजों पर यह घोटाला 300 पन्नों में सजा हुआ है, जैसे किसी रिश्वत प्रेमी के लिए सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट हो।

पद, पंचायत और प्रभाव

घोटाले में शामिल रहे पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की लिस्ट लंबी है, पतरूराम भगत, चमन सिंह, फूल सिंह, भुवनेश्वर सिंह, राजेश यादव, राजाराम चंदेल, महाबीर सिंह, रामचरित सिंह, रामप्रसाद पनिका, शैलेन्द्र तिवारी, रविन्द्र सिंह और मोह. हुसैन खान जैसे नामों ने भ्रष्टाचार के खेल को संस्थागत बना दिया है, लेकिन चमत्कार देखिए, ये सब के सब आज भी अपने-अपने पद पर सेवाएं दे रहे हैं, मानो इन्हें किसी 'उत्कृष्ट सेवाभाव पुरस्कार' के लिए नामांकित किया गया हो।

पर्दा तो है, मगर पर्दादारी नहीं

जिला पंचायत के सीईओ साहब का बयान सुनकर किसी व्यंग्य लेखन प्रतियोगिता में पहला इनाम मिल सकता है, जैसे ही चालान मिलेगा, हम सख्त कार्रवाई करेंगे। अब यह पूछना मुनासिब होगा कि साहब! चालान तो महीनों पहले थाने में दाखिल हो चुका है, फिर ये 'चालानी चुप्पी' क्यों? क्या विभागीय कार्यवाही का चक्का पंक्चर हो गया है या फिर भ्रष्टाचारियों की गाड़ी वीआईपी लेन में दौड़ रही है? तत्कालीन बिरसिंहपुर थाना प्रभारी ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रकरण में 'कूटरचना' जैसी गंभीर धारा लगाने के बजाय उन्होंने 'सामान्य धाराओं' का ऐसा मखमली बिस्तर तैयार किया कि आरोपी चैन से सो सकें। अभी तक कोई निलंबन नहीं, न कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही। ऊपर से विभागों की 'तू करे या मैं करूं' वाली नौटंकी जारी है।

बीएलओ प्रशिक्षण प्राप्त कर, उसी अनुरूप कार्य करें: जिला निर्वाचन अधिकारी

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र के निर्देशानुसार बूथ लेबल आफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय उमरिया में मानपुर विधानसभा क्षेत्र 90 के बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ । प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर व्दारा बताई जा रही बातो को ध्यान से सुने तथा उसी अनुरूप कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से कार्य करने में आसानी होगी। उन्होंने बीएलओ से नाम जोडने, नाम काटने, नाम संशोधित करने , नाम स्थानांतरित करने में उपयोग होने वाले फार्म के संबंध में पूछताछ भी की, जिसका सभी ने उत्तर दिया । इसके साथ ही बीएलए से एक समय में कितने फार्म लेने है, की भी जानकारी दी । उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाली कठिनाईयों को भी यहीं दूर करें , मन में किसी भी प्रकार का संशय नही रखें । प्रशिक्षण उपरांत प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया । प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर धनेन्द्र तिवारी, शिवकुमार हल्दकार, एस के गौतम, अमित यादव, अरविंद त्रिपाठी, अतुल अहिरवार, मनोज व्दिवेदी, गरिमा शर्मा, प्रदीप सिंह गहलोत, मानेन्द्र सिंह, विनोद मिश्रा, दादूराम सेन, नागेंद्र सिंह,सिंह, प्रभात रंजन वर्मा, डा. पिंकी सोमकुंवर, राज कुमार महोबिया, मोहम्मद अजीज, अजय चौरसिया, प्रदीप त्रिपाठी, संजीव अग्रवाल ने पहचान पत्र के फार्मेट, बीएलओ की जिम्मेदारिया, बीएलओ की भूमिका और कर्तव्य , टेलीफोन प्रोटोकॉल,सामान्य अनुदेश, फार्म 6 भरने के लिए दिए गए दिशा निर्देश, फार्म 7 भरने के लिए दिशा निर्देश, फार्म 8 भरने के लिए दिशा निर्देश, बूथ जागरूकता ग्रुप, बीएलओ रजिस्टर, संवैधानिक प्रावधान, बूथलेबल अधिकारी, निर्वाचक कौन हो सकता है, सहित अन्य जानकारी विस्तृत से प्रदाय की गई । इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, तहसीलदार मानपुर पंकज नयन तिवारी, नीलेश सिंह प्रभारी तहसीलदार पाली , एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा पूजा व्दिवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा, संजय पांडेय , निर्वाचन सुपरवाईजर हरिशंकर झारिया उपस्थित रहे ।

मानपुर विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर बस को किया रवाना

सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उमावि मानपुर मे बसों का संचालन प्रारंभ

उमरिया। जनपद पंचायत मानपुर में सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित बसों के संचालन कार्यक्रम में विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री मीना सिंह ने कहा कि सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उमावि में अब छात्राओं को बस की सुविधा मुहैया होने जा रही है । अब छात्र बिना किसी परेशानी के घर से स्कूल एवं स्कूल से घर पहुंचेगे ।

सांदीपनि विद्यालय में समस्त प्रकार की मूलभूत सुविधाएं प्रदेश सरकार व्दारा उपलबध कराई गई है, जिसका लाभ छात्र छात्राओं को मिल रहा है । बच्चों को शिक्षा के साथ साथ संगीत की भी शिक्षा दी जा रही है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा शिक्षा के क्षेत्र में नित नये नवाचार किए जा रहे है। सरकार की मंशा है कि छात्रों का भविष्य उज्जवल हो, वे पढ़ लिखकर अच्छे पदों को प्राप्त करें और देश की सेवा में अपना योगदान दें । उन्होने कहा कि सांदपनि विद्यालय में बसों का संचालन होने से छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा । आने जाने में लगने वाला समय कम होगा । कार्यक्रम के अंत में विधायक मानपुर तथा जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस अवसर हरीश विश्वकर्मा, राम मोल केवट, हरिहर चतुर्वेदी, ममता सिंह जनपद अध्यक्ष मानपुर, नगर परिषद अध्यक्ष मानपुर भारती सोनी, मानपुर जनपद सीईओ राजेन्द्र त्रिपाठी,विकास खंड शिक्षा अधिकारी पुनिया बाई प्रजापति, मानपुर पार्षद अतुल तिवारी, सजन कोल, शिवराम शुक्ला, रामप्रसाद विश्वकर्मा,अजय शर्मा, राजेन्द्र तिवारी, सरपंच चन्सुरा माधव कोल, रसिक खण्डेलवाल, पार्षद प्रतिनिधि कोदूलाल कोल, प्रदीप गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, सरपंच अमिलिया केतकी बाई, विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफगण व विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राएं व मानपुर से लगे विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक गण एवं नगर परिषद मानपुर व आसपास के ग्रामों में आये गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समाज के लोगों को एकजुट होकर नशा को करना होगा खत्म-

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की प्रेरणा से 'नशे से दूरी-है जरूरी' जन जागरूकता अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशानुसार एकलव्य विद्यालय बरबसपुर पाली में नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर विद्यार्थियों से संवाद किया गया एवं विद्यार्थियों को नशा न करने व नियमों का पालन करने के लिए जागरूक व प्रेरित कर शपथ दिलाई गई। एसडीओपी शिवचरण बोहित ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए नशे के प्रकार, नशा एक बीमारी है, नशे की बीमारी से मुक्ति, नशे के बारे में पैदा हुई गलत धारणाओं व नशा प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मुख्य लक्षणों आदि की जानकारी विस्तार से देकर नशा न करने के बारे लोगों को जागरूक किया गया। सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने कहा कि नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए पुलिस के द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है, नशा भी छोड़ा जा सकता है, इसके लिए संकल्प लेना जरुरी है।कार्यक्रम के दौरान युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रचार्य टी.एस रघुवंशी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहायक उपनिरीक्षक विजय सेन,आरक्षक रवि सिंह,विद्यालय प्राचार्य टी.एस.रघुवंशी ,टीम संयोजक हिमांशु तिवारी,विद्यालय शिक्षक प्रशान्त शुक्ला,सतीश गुप्ता,राहुल सिंह, विद्यार्थीगण व नगर रक्षा समिति सदस्य ,युवा टीम सदस्य एवं 290 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आमजनों की सुनी समस्यायें

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जनसुनवाई में जिले के दूर दराज से आए लोगो की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों को संबंधित विभाग की ओर प्रेषित करते हुए निराकरण के निर्देश दिए ।जनसुनवाई में सविता महरा निवासी लोढ़ा ने खसरा सुधरवाने, द्रोपती गुप्ता पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ दिलाने, बुध्दसेन यादव ग्राम बड़ागांव ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, आसुतोष शुक्ला, रेखा बर्मन ने मानदेय का भुगतान कराने, पूजा बाई ग्राम छीरपानी ने ससुर गुलबदन के परिवार में आईडी कार्ड में नाम जोडने, दयाराम पाल ग्राम कुदरी ने आराजी की भूमि मे बाडी तोडक़र कब्जा करने, मारपीट करने, बुध्दु केवट ग्राम अंचला ने गरीबी रेखा मे नाम जोडने , वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, यमुना प्रसाद यादव ग्राम करकेली करही ने पिता की मृत्यु पश्चात अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सबल किशोर पठारी ने रास्ता खुलवाने, भगवत सिंह ग्राम पंचायत उफरी ने नल जल के तहत पानी सप्लाई आपरेटर का भुगतान कराने, बालक दास पटेल ग्राम खलौंध ने 100 केव्ही ट्रांसफार्मर लगवाने संबंधी आवेदन दिया ।

अतिक्रमण हटाने सड़क पर उतरे भाजपा नेता

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर में बदहाल हो चुकी यातायात व्यवस्था से लगातार व्यापारियों एवं नागरिकों में आक्रोश को देखते हुए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं नागरिकों को अतिक्रमण हटाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा। बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन चौक में पिछले 1 वर्ष से शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा आधी सड़क पर 30 फीट रोड पर कब्जा करते हुए पूरी व्यवस्था चौपट कर दिया था। बीच रोड में बैटिकेटिंग लगाकर भवन निर्माण सामग्री, लोहा, रेट, ईट, गिट्टी सहित ठेकेदारी में उपयोग होने वाले उपकरणों को रखते हुए जाम कर रखा था। अजित जैन पुष्पेंद्र जैन, धर्मेंद्र वर्मा, विजय पांडे, प्रभात मिश्रा, रोशन वारसी, संदीप शिवहरे सहित अन्य लोगों के द्वारा स्टेशन चौक में पिछले 1 वर्षों से हुए कब्जा को लेकर ठेकेदार पर आक्रोश जताते हुए हटाने को लेकर अड़े रहे। मौके पर नगर पालिका अधिकारियों को बुलाया गया। सीएमओ प्रदीप झरिया अतिक्रमण दस्ते के साथ पहुंचकर सड़क पर जमे कब्जा को हटाने की कार्यवाही की गई। बताया जा रहा की ठेकेदार को पूर्व में भी नोटिस देते हुए हटाने के निर्देश दिए गए थे। विदित रहे कि नगर के सबसे व्यस्ततम मार्ग स्टेशन चौक में पिछले 1साल से ज्यादा समय से ठेकेदार के द्वारा शॉपिंग निर्माण कराए जाने को लेकर बीच सड़क पर कब्जा किया गया था जिससे आने जाने वालो को परेशानी होती रही। नगर पालिका में अनेक बार शिकायत के बाद भी अतिक्रमण ना हटने पर भाजपा नेताओं के साथ नागरिकों द्वारा विरोध दर्ज कराते हुए मौके पर ही नपा टीम से कार्यवाही कराई गई। सड़क पर से कब्जा हटने से व्यापारियों एवं नागरिकों ने राहत महसूस किया।

अन्य यूनियन को छोड़कर 25 महिला कामगारों ने थामा एटक का दामन

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। 14 जुलाई सोमवार को संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) एसईसीएल के केंद्रीय सचिव एवं कुसमुण्डा क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कामरेड बी.एल. महंत (राजवीर) के नेतृत्व में एटक क्षेत्रीय कार्यालय विकासनगर में कुसमुण्डा क्षेत्र एवं परियोजना में कार्यरत महिला कामगार सुश्री श्रद्धा देवरा, श्रीमती रानू चंद्रा, सुश्री टेसू यादव, श्रीमती प्रीति पटेल, श्रीमती ईश्वरी देवी कुर्मी, श्रीमती हेमंत बाई, श्रीमती हेमलता यादव, श्रीमती प्रेमलता यादव, श्रीमती रुखमणि, श्रीमती जगनीता, श्रीमती श्यामा यादव, सुश्री रीतू यादव, सुश्री भारती यादव, श्रीमती निरुपा बाई, श्रीमती हिरमत, श्रीमती बसंती बाई, श्रीमती श्याम कुंवर, श्रीमती सुक्रिता, श्रीमती योगेश्वरी दुबे, श्रीमती लता यादव, श्रीमती बसंती यादव एवं श्रीमती गंगा यादव सहित लगभग 25 महिला कामगारों ने अन्य यूनियन को छोड़कर एटक यूनियन में प्रवेश किया। इस अवसर पर एसकेएमएस (एटक) के केंद्रीय सचिव एवं कुसमुण्डा क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कामरेड बीएल महंत (राजवीर) ने सभी को गमछा पहनाकर तथा सदस्यता पत्रक भरकर यूनियन में प्रवेश कराया। उक्त कार्यक्रम में एटक से कामरेड महेंद्र पाल यादव, कामरेड महावीर पटेल, कामरेड विनय कुमार स्वर्णकार, कामरेड संजय कुमार गुप्ता, कामरेड पारस तिवारी एवं कामरेड किशोर कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कोरजा मॉर्निंग ग्रुप ने सावन सोमवार को किया विशाल भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। जिले के बिजुरी नगर में पिछले करीब दो-तीन साल से सामाजिक कार्य कर रही कोरजा मॉर्निंग ग्रुप जिसमे बिजुरी नगर के कुछ गणमान्य नागरिक, व्यवसायी, डॉक्टर, समाजसेवी शामिल है, जो प्रतिदिन बिजुरी नगर से सुबह 6 बजे पैदल चलकर बिजुरी नगर की प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोरजा धाम जहां सिद्ध मूर्ति हनुमान जी महाराज विराजे हैं जाकर अपने घर परिवार व नगर के खुशहाली हेतु प्रार्थना कर वापस अपने घर आकर अपनी दिनचर्या में लग जाते हैं, यह कोरजा मॉर्निंग ग्रुप इस धार्मिक कार्यक्रम के साथ-साथ नगर के सामाजिक कार्यों में भी अपनी सहभागिता निभाते हुए गरीब परिवारों की मदद, धार्मिक कार्यक्रम में भंडारे व अन्य कार्य कर लोगों के दिलों में जगह बनाने में काफी सफल रही है, कोरजा मॉर्निंग ग्रुप पिछले साल की भांति इस साल भी सावन के माह में प्रत्येक सोमवार को भगवान शंकर भोलेनाथ को भोग लगाकर विशाल भंडारे का आयोजन करने का निर्णय लिया है प्रथम सोमवार को हनुमान मंदिर चौराहे में कोरजा मॉर्निंग ग्रुप द्वारा भगवान भोलेनाथ को खीर का भोग लगाकर खीर के प्रसाद का भंडारे के रूप में आयोजन किया गया, कोरजा मॉर्निंग ग्रुप के लोगों ने भगवान भोलेनाथ के जय कारे लगाते हुएअपने हाथों से नगर के श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरण किया।

राजनगर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोलने मुख्य महाप्रबंधक को मंत्री ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत काफी वर्षों से भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोले जाने हेतु नगर वासियों द्वारा तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा मांग की जाती रही है। इस कोयलांचल क्षेत्र में अब तीन नगर परिषद बन चुकी हैं, जिसमें प्रमुख रूप से नगर परिषद बनगवां (राजनगर) डोला, डूमरकछार है। जहां पर अब सैकड़ो की संख्या में कर्मचारी भी कार्यरत है। नगर परिषद में करोड़ों रुपए का सालाना टर्नओवर होता है। जिसके लिए कुछ नगर परिषद भारतीय स्टेट बैंक शाखा बिजुरी पर निर्भर है। राजनगर क्षेत्र के अंतर्गत राजनगर खुली खदान परियोजना, राजनगर आरओ, झिरिया भूमिगत खदान, हजारों की संख्या में शासकीय और ठेकेदारी कर्मचारी कार्यरत है। स्थानीय व्यापारियों को भी स्टेट बैंक में कार्य पड़ते रहता है। वर्ष 2011 में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोले जाने हेतु प्रेमचंद यादव पूर्व उपाध्यक्ष, भाजपा, के द्वारा मुख्य महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक भोपाल को पत्र लिखा गया था। उस दौरान राजनगर में पक्के छत वाली भवन उपलब्ध न होने के कारण भारतीय स्टेट बैंक की शाखा नहीं खुल पाई थी। वर्तमान में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा राजनगर में खोले जाने की आवश्यकता है। स्थानीय नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, कोयलांचल के श्रमिको, आसपास क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानो द्वारा माननीय मंत्री दिलीप जायसवाल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोउद्योग से इस विषय को संज्ञान में लाया गया। माननीय मंत्री द्वारा तत्काल मुख्य महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक अंचल कार्यालय भोपाल, को पत्र प्रेषित कर कोयलांचल क्षेत्र राजनगर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोले जाने हेतु अनुशंसा की है। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खुलने से तीन नगर परिषद बनगवां (राजनगर) डोला, डुमरकछार, तथा ग्रामीण क्षेत्र के रेऊदा, पिपरहा, सेमरा, फुलकोना, पड़रीटोला के ग्रामीणों को भी इसका लाभ मिलेगा।

खबर संक्षेप

न्यायालयीन प्रकरणों की कलेक्टर द्वारा की गई समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओं में प्राप्त होने वाले आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों के जवाब संबंधित ओआईसी समय-सीमा में प्रस्तुत करें। कलेक्टर द्वारा न्यायालयों में प्रचलित विभागवार प्रकरणों की समीक्षा भी की। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग,डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते, भागीरथी लहरे, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भवन जर्जर, शिक्षक तो हैं पर अनुशासन नदारद

सावो हाई स्कूल की हालत खस्ता

पंचायत सावो के अंतर्गत रूंगटा कॉलोनी में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (सावो हाईस्कूल) की स्थिति इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। वर्ष 1978 से संचालित यह विद्यालय अब जर्जर भवन, उपेक्षित बुनियादी सुविधाओं और शिक्षा विभाग की लापरवाही का शिकार होता नजर आ रहा है।

हरिभूमि न्यूज, धनपुरी।

150 छात्रों को पढ़ा रहे 10 शिक्षक, लेकिन अनुशासन पर उठे सवालजानकारी के अनुसार विद्यालय में कक्षा 1 से 10वीं तक लगभग 150 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए विद्यालय में तकरीबन 10 शिक्षक व शिक्षिकाएं पदस्थ हैं। शिक्षकों की संख्या छात्रों के अनुपात में संतोषजनक है, लेकिन समस्या उनकी उपस्थिति व अनुशासन को लेकर है।स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कई शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुंचते, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग को अचानक निरीक्षण कर यह देखना चाहिए कि वास्तव में कितने शिक्षक समय पर आते हैं और कितने अनुपस्थित रहते हैं।भवन की स्थिति चिंताजनक, मरम्मत की दरकारविद्यालय भवन की हालत बेहद खराब हो चुकी है। खिड़कियां- दरवाजे टूटे पड़े हैं, दीवारों से प्लास्टर झड़ चुका है, और बारिश के दौरान पानी टपकता है। इससे छात्रों को सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है।स्थानीयों की मांग – विभाग करे स्थलीय निरीक्षणग्राम वासियों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग स्वयं विद्यालय का निरीक्षण करे और भवन की मरम्मत के साथ-साथ शिक्षकों की उपस्थिति, कार्यसंस्कृति और पढ़ाई के स्तर पर भी ठोस कार्रवाई करे। जिससे शिक्षा का स्तर पर सुधार आऐ।जनता की चार प्रमुख माँगें:विद्यालय भवन की तत्काल मरम्मत हो,शिक्षा विभाग द्वारा औचक निरीक्षण हो,अनुशासनहीन शिक्षकों पर कार्रवाई हो,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाऐ,अब देखना ये है कि शिक्षा विभाग सावो हाईस्कूल की सुध कब लेता है, या फिर यह स्कूल उपेक्षा की मिसाल बनकर रह जाएगा।

पेंट और ड्रायफ्रूट घोटाले ने गरमाई सियासत

सांसद ने दी चेतावनी, ब्यौहारी विधायक बोले विधानसभा में उठेगा मामला, गरीबों के पैसों की लूट किसी कीमत पर नहीं होगी बर्दाश्त

शहडोल। आदिवासी बाहुल्य जिले में उजागर हुए कथित स्कूल पेंट और ड्रायफ्रूट खर्च घोटाले ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। मामूली बिलों में हजारों मजदूर और मनमाने व्यय दर्शाकर सरकारी खजाने को चूना लगाने के इस प्रकरण ने शहडोल से लेकर भोपाल और दिल्ली तक की राजनीति को हिला दिया है। इस घोटाले पर शहडोल की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि, यह जनता के पैसों से किया गया खुला भ्रष्टाचार है, जिसे न तो हम छोड़ेंगे और न ही हमारी सरकार। वहीं ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने भी इस मामले में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए इसे विधानसभा में उठाने की बात कही है।

सोशल मीडिया पर सनसनी

ब्यौहारी ब्लॉक के अंतिम छोर पर स्थित सकंदी और निपनिया प्राथमिक शालाओं से जुड़ा हुआ है। स्कूल भवन की पुताई के लिए जहां 24 लीटर ऑयल पेंट का उपयोग दर्शाया गया, वहीं बिलों में 443 मजदूर और 251 राजमिस्त्री को कार्यरत बताया गया। यह सब कुछ तब सामने आया जब पुताई के बिल सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसके बाद इस फर्जीवाड़े को लेकर जनता, जनप्रतिनिधियों और अफसरशाही में हलचल मच गई। वहीं दूसरी ओर गोहपारू जनपद पंचायत के ग्राम भदवाही में जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम के नाम पर आयोजित एक घंटे की चौपाल में 14 किलो काजू-बादाम, 30 किलो नमकीन, 6 लीटर दूध, और 5 किलो शक्कर का खर्च दिखाया गया। यही नहीं, भवन निर्माण के नाम पर प्रस्तुत बिलों में फल, सब्जी और किराना सामग्री जोडकर भारी-भरकम खर्च दर्शाया गया है। इन दोनों मामलों ने न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, बल्कि आदिवासी अंचलों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी गंभीर शंका पैदा कर दी है।

सांसद हिमाद्री सिंह का सख्त रुख

सांसद हिमाद्री सिंह ने तीखे शब्दों में कहा कि यह सीधे तौर पर गरीबों के हक पर डाका है। उन्होंने कहा कि ऐसे घोटालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शासन स्तर पर उच्च स्तरीय जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सांसद ने आगे कहा, जो भी अधिकारी या कर्मचारी इसमें संलिप्त हैं, उन्हें किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। यह घोटाले गरीबों के अधिकारों और आदिवासी समुदाय के विश्वास के साथ छल हैं, जिसे हमारी सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

विधानसभा में उठेगा मामला

वहीं इस मामले को आड़े हाथों लेते हुए ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने भी कहा कि वे इस घोटाले से बेहद आहत हैं और उन्होंने मांग की है कि इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। साथ ही विधायक ने स्पष्ट किया कि यदि जरूरत पड़ी तो, वे इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे ताकि दोषियों को सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जा सके। उन्होंने कहा हम जनता के प्रतिनिधि हैं, और यह हमारा दायित्व है कि हम उनके पैसों की रक्षा करें। कोई भी कितना भी बड़ा हो, यदि वह दोषी है, तो उसे सजा जरूर मिलेगी।

प्रशासन में मची खलबली

सांसद और विधायक के तीखे रुख के बाद जिला प्रशासन में भी हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ द्वारा संबंधित जनपद और पंचायत अधिकारियों से प्रारंभिक रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल दस्तावेजों को लेकर अफसरों की बैठकों का दौर भी जारी है। इन घोटालों की खबरें सामने आने के बाद आम जनता और पंचायतों के जागरूक नागरिकों में भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब स्कूलों में पेंट के नाम पर सैकड़ों मजदूर और ड्रायफ्रूट के नाम पर लाखों खर्च दिखाए जाते हैं, तो यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि सांसद और विधायक के हस्तक्षेप के बाद इन मामलों में निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई जरूर होगी।

सावन में भी नहीं दिखी नगर पालिका की सतर्कता

मंदिर परिसर और रास्तों पर गंदगी से श्रद्धालु परेशान

हरिभूमि न्यूज, धनपुरी।

नगर पालिका धनपुरी द्वारा स्वच्छता के नाम पर केवल कागजी कार्यवाही की जा रही है। हर वार्ड में सफाई कर्मचारी नियुक्त होने के बाद भी रेल्वे कालोनी नुमान मंदिर रूद्र चौक सहित आसपास के क्षेत्र में गंदगी का ढेर लगा हुआ है।

सावन सोमवार जैसे पावन पर्व पर भी न तो सफाई की व्यवस्था की गई और न ही दुर्गंध से राहत देने के प्रयास किए गए।श्रद्धालुओं ने बताया कि मंदिर परिसर के आसपास नालियां बजबजा रही हैं, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और दुर्गंध के कारण पूजा-पाठ में खलल उत्पन्न हो रही है। यह वही मार्ग है जहाँ से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों की ओर जाते हैं। लेकिन

नगर पालिका की उदासीनता ने इस पवित्र माहौल को दूषित कर दिया है।पार्षदों ने भी परिषद की बैठकों में अपने-अपने वार्डों की सफाई व्यवस्था को लेकर आवाज़ उठाई जाती है, लेकिन अफसरशाही की सुस्ती के कारण कोई ठोस कार्य नहीं हो सका। जनता को केवल आश्वासन मिलते हैं, और नतीजा यह होता है कि पर्व-त्योहारों पर भी साफ-सफाई नहीं होती।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका यदि समय रहते सफाई के प्रति सजग हो जाए तो न सिर्फ धार्मिक माहौल सुगंधित हो सकता है, बल्कि लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।जनता की मांग है कि सावन माह को देखते हुए मंदिरों, प्रमुख चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही कचरा निष्पादन और नालियों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाए ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजा-पाठ करने का अवसर मिले।

सी.एम.एच.ओ. ने काम्बेट टीम एवं कन्ट्रोल रूम स्थापित करने के दिए निर्देश

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने उल्टी-दस्त एवं अन्य मौसमी बीमारियों के मद्देनजर सभी मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आवश्यकता अनुसार दवाईयों जिला स्टोर इण्डेन्ट बनाकर जिला स्टोर से तत्काल प्राप्त करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ब्लाक स्तर पर काम्बेट टीम बनायें एवं कन्ट्रोल रूम स्थापित करें, जो 24 घण्टे लगातार क्रियाशील रहे। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगायें एवं चिकित्सक सहित एम्बुलेंस मय चिकित्सक एवं दवाइयां तैयार रखें तथ सूचना प्राप्त होते ही तत्काल बीमारी ग्रस्त ग्राम पहुँचे एवं स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करते हुये जानकारी प्राप्त कर प्रतिवेदन जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी एवं जिला एपीडिमियोलॉजिस्ट डॉ.अंशुमन सोनारे को मो.नं. 7999475657 में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जिले के जिला स्टोर में दवाईयों का पर्याप्त भण्डारण है, जैसे जिंक, मेट्रोनिडाजोल, ओण्डामस्ट्रोन, डाइसाक्लोमीन, ओफलॉक्सासीन, ओफलॉक्सासीन मेट्रानीडाजोल, ओ.आर.एस. तथा जल शुद्धिकरण हेतु ब्लिचिंग पाउडर, क्लोरीन टेबलेट एवं अन्य दवाइया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

ईएसआईसी की स्प्री योजना को मंजूरी, नियोक्ताओं और कर्मचारियों को पंजीकरण में मिलेगी राहत

अमलाई ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी द्वारा नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने हेतु विशेष योजना स्प्री यानी स्कैम टू प्रमोट रजिस्ट्रेशन ऑफ एम्प्लॉयर्स/ एम्प्लाइज को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य उन प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करना है जो अब तक कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हो सके हैं। पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से अपने यूनिट और कर्मचारियों का किया जाएगा।

ईएसआईसी अमलाई शाखा के संयुक्त निदेशक निश्छल कुमार नाग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना सामाजिक सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाने की दिशा में एक अहम पहल है। इसके तहत ऐसे नियोक्ताओं को अवसर दिया जाएगा जो अपने प्रतिष्ठानों या कर्मचारियों का पंजीकरण पूर्व में किसी कारणवश नहीं करा पाए थे। योजना के अंतर्गत कोई दंडात्मक कार्रवाई, ब्याज या जांच नहीं की जाएगी, यदि पंजीकरण स्वप्रेरणा से किया जाता है।

क्या है स्प्री योजना

स्प्री यानी स्कैम टू प्रमोट रजिस्ट्रेशन ऑफ एम्प्लॉयर्स/ एम्प्लाइज एक विशेष पहल है, जो कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रोत्साहनकारी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पिछली देनदारियों के डर को खत्म करना और पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाकर स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करना है योजना भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत संचालित हो रही है और इसका मूल उद्देश्य है। संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के तहत लाना।

संयुक्त निदेशक निश्छल कुमार नाग ने बताया कि इस योजना का लाभ केवल उन्हीं प्रतिष्ठानों को मिलेगा जो 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 की अवधि में स्वेच्छा से पंजीकरण कराते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना में पंजीकरण उस दिनांक से मान्य होगा जो नियोक्ता द्वारा घोषित की जाएगी पंजीकरण से पहले की अवधि के लिए कोई योगदान या लाभ लागू नही होगा। पूर्व पंजीकरण अवधि के लिए कोई निरीक्षण या रिकार्ड की मांग नही की जाएगी।

कर्मचारियों को मिलेंगे कई लाभ

इस योजना के माध्यम से पंजीकृत कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा, मातृत्व लाभ, विकलांगता पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, दवा भत्ता, इत्यादि सामाजिक सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी। योजना के तहत पंजीकरण करने पर नियोक्ताओं को भी भविष्य में किसी भी कानूनी या प्रशासनिक जटिलताओं से राहत मिलेगी।

व्यवसाय में सरलता को बढ़ावा

ईएसआईसी अधिकारियों के अनुसार, यह योजना ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को भी बढ़ावा देती है क्योंकि इससे पंजीकरण प्रक्रिया सरलीकृत हो जाती है और नियोक्ताओं को बिना किसी अतिरिक्त कानूनी बाध्यता के सामाजिक सुरक्षा ढांचे में शामिल होने का अवसर मिलता है। ईएसआईसी शाखा अमलाई प्रबंधक ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए शाखा में संपर्क किया जा सकता है या दूरभाष 9424135941 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सड़कें टूटीं, मलबा बिखरा, उम्मीदें अब भी जिंदा हैं!

सीवर लाइन बनी जीवन रेखा, गड्ढों में बह रहा जनता का सब्र

शहडोल। शहर के भाग्य में शायद सीवर लाइन नहीं, 'सीवर पीड़ा' लिखी गई है। बीते दो वर्षों से शहर के भीतर सीवर लाइन बिछाने का जो 'एतिहासिक अभियान' चल रहा है, वह अब नागरिकों के धैर्य, हड्डियों और सडक़ों तीनों की परीक्षा लेने में जुटा है। बड़े गर्व से कहा जा सकता है कि इस परियोजना ने शहर को एक नई पहचान दी है, गड्ढों का शहर! कोई मोहल्ला ऐसा नहीं बचा, जहां खुदाई न हुई हो। कहीं खुदाई अधूरी पड़ी है, तो कहीं पाइप ऐसे खुले पड़े हैं मानो 'सांप-सीढ़ी' का गेम बोर्ड तैयार हो रहा हो। सडक़ें खुद चुकी हैं, मलबा फैला है और ट्रैफिक व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है, लेकिन चिंता न करें! ठेकेदार और एजेंसियां पूरी तरह 'निश्चिंत' हैं और प्रशासन तो जैसे मौन व्रत पर चला गया है। सुरक्षा के कोई उपाय नहीं, बैरिकेड्स और

चेतावनी बोर्ड जैसे महंगे शौक पालना शायद इस प्रोजेक्ट का हिस्सा ही नहीं है। कुछ दिनों पहले राजा बाग क्षेत्र में मिट्टी धंसने से एक ट्रक पलट गया। सौभाग्य से कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन अफवाह है कि ट्रक भी अब इस परियोजना से मानसिक रूप से टूट चुका है। शहर के व्यापारी वर्ग की हालत तो 'खुदाई के नीचे दब चुकी' है। दुकानों के सामने बने गड्ढों ने ग्राहकों को ऐसा डराया है कि लोग अब ऑनलाइन खरीदारी को ज्यादा सुरक्षित मानने लगे हैं। बरसात में हालात और भी रोमांचक हो जाते हैं, हर गड्ढा छोटा तालाब बन जाता है, जिसमें कोई भी वाहन फिसलकर 'सीवर सफारी' का आनंद ले सकता है। करोड़ों की परियोजना में न समय-सीमा है, न गुणवत्ता की गारंटी। क्या इसे केवल 'मुनाफा उगाही योजना' घोषित कर देना चाहिए? अगर हालात यही रहे, तो जल्द ही शहडोल 'खुले में खुदाई' के राष्ट्रीय मॉडल शहर के रूप में मान्यता पा सकता है और शायद अगले बजट में 'गड्ढा विकास योजना' के तहत विशेष राशि भी स्वीकृत हो जाए।

रिलायंस सी.बी.एम. सी.एस.आर.प्रोजेक्ट द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

बेरोजगार युवाओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण का स्वर्णिम लाभ अर्जित कराया गया

बुढार। रिलायंस सी.बी.एम.प्रोजेक्ट द्वारा विश्व युवा, कौशल दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया और क्षेत्रिय बेरोजगार युवाओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण का स्वर्णिम लाभ अर्जित करवाया गया।

रिलायंस सी.बी.एम. प्रोजेक्ट द्वारा सीआईआई स्किल ट्रेनिंग संस्था को विश्व युवा, कौशल दिवस के अवसर पर निमंत्रित किया गया, जिसमें संस्था की ओर से संकोच कतरे एवं दिलीप डेहरिया कार्यक्रम में विशिष्टरूप से उपस्थित रहे, यह कार्यक्रम रिलायंस फाउंडेशन रिसोर्स सेंटर लालपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर - सीआईआई स्किल ट्रेनिंग संस्था छिंदवाड़ा से आये सदस्यों नें विश्व युवा, कौशल दिवस पर रिसोर्स सेंटर में विभिन्न ग्रामों से आये युवाओं को संस्था द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न रोजगार परख कोर्स के संदर्भ में विस्तृतरूप से अवगत कराया तथा उनके सभी शंकाओ का समाधान भी कराया। रिलायंस द्वारा सीआईआई संस्था के साथ मिलकर विगत 10 वर्षों से अपने प्रोजेक्ट एरिया क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को अच्छी-अच्छी रोजगारमूलक ट्रेनिंग दिलवाकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का निरंतर प्रयास की है, इसी कड़ी में रिलायंस द्वारा सीआई संस्था से सादर

आग्रह किया कि - शहडोल में भी पधार कर हमारे क्षेत्र के युवाओं को जागरूक करें और अपने यहां आयोजित कोर्सेज के बारे में और उससे संबंधित जॉब प्लेसमेंट तथा उसके कोर्स के दौरान होने वाले सभी कार्यों और के बारे में उन्हें अवगत कराकर लाभान्वित करायें।

इस अवसर पर रिलायंस सी.बी.एम. सी.एस.आर. हेड - राजीव श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में आये सभी युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की शुभकामनाएं देते हुये बच्चों से आव्हान किया कि - जो शिक्षा लेकर के बेरोजगार है हम उन्हें सीआईआई जैसी संस्था के माध्यम से विशेष रोजगारमूलक ट्रेनिंग करवा करके और उन्हें रोजगार से जोड़ने का पूरा प्रयास करेंगे और जहां भी उनको जरूरत होगी उन्हें पूरा सहयोग रिलायंस सी.बी.एम. सी.एस.आर. की टीम पूरा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है।

कार्यक्रम के मध्य पूर्व छात्र निखिल यादव जो सीआईआई संस्था से ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके हैं और वर्तमान में रोजगार प्राप्त करके अपने और अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रहे हैं उन्हें सम्मानित भी किया गया उन छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किये और उपस्थित युवाओं को बताया कि - हमें अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए और अच्छा रोजगार पाने के लिए कोई ना कोई कौशल में पारंगत होना जरूरी है और वह हमें विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से रोजगार मिल सकता है। सीआईआई भी एक ऐसी संस्था है जहां से हम यह विभिन्न कौशल सीख सकते हैं और उसके माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रिलायंस सी.बी.एम. के एच.आर. विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने सभी बच्चों को उत्साहित किया और उन्हें आगे बढ़कर रिलायंस द्वारा सहयोग प्राप्त संस्था सीआईआई के माध्यम से विभिन्न कोर्सेस करने और अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम अवसर पर रिलायंस द्वारा संचालित स्टिचिंग ट्रेनिंग सेंटर की प्रशिक्षक श्रीमती सीतू यादव को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सीआईआई संस्था से पधारे प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह प्रदत्त किया गया वहीं उनके प्रति आभार प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट के डॉ समीम खान ने किया। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करनें रिलायंस के किसान मित्रों की भी भूमिका सराहनीय रही, जो सभी अपने-अपने क्षेत्र के बेरोजगार युवा साथियों को कार्यक्रम में लेकर के आए और कार्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी अर्जित कर स्वयं को रोजगार मूलक कार्यक्रमों में जोड़ सके। इस अवसर पर कुणाल, अभिलाष तिवारी, अपूर्वा टोप्पो, बीरेंद्र प्रजापति की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

जिले में 6.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 6.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र जैतहरी में 1, बिजुरी में 25.6, पुष्पराजगढ़ में 6.4, अमरकंटक में 12 तथा बेनीबारी में 8.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा तथा वेंकटनगर में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

रीवा से मुंबई और पुणे की ट्रेनों को शहडोल, अनूपपुर बिलासपुर, रायपुर होकर चलाया जाए

अनूपपुर। रीवा से मुंबई और पुणे चलने वाली ट्रेनो को वाया जबलपुर से क्यों चलाया जा रहा है जबकि बिलासपुर, शहडोल, अनूपपुर और चिरमिरी अंबिकापुर से होकर रीवा जाने वाली ट्रेनें चल रही है तो क्या रीवा से चलने वाली ट्रेनें उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, बिलासपुर और रायपुर होकर क्यों नहीं चल सकती है। विगत 9 जुलाई को एक नई ट्रेन रीवा से पुणे नंबर-20151/20152 रीवा- पुणे एक्सप्रेस वाया जबलपुर चलाई गई है। इसके पूर्व भी रीवा से मुंबई के लिए दो ट्रेनें नंबर- 15181/15182 एवं 20519/20520 चलाई गई जो वाया जबलपुर से ही चलती हैं। जबकि जबलपुर से मुंबई या पुणे के लिए पहले से ही कई ट्रेने हैं और जबलपुर से तो मुंबई और पुणे के लिए प्लेन की सुविधा भी है।रेलवे के इतिहास में यह हमेशा से रहा है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए मध्य पूर्व रेलवे हमेशा से पक्षपात पूर्ण रवैया रहा है जिस कारण से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से आने वाली ट्रेनों को भी कटनी जंक्शन और उसके आसपास के स्टेशनों में बेवजह लेट किया जाता है और सही समय पर चलने वाली ट्रेनें कटनी आने और कटनी से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तरफ निकालने में ही कई कई घंटे लेट होती है क्या रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड इस ओर सैकड़ो वर्षों में भी ध्यान नहीं दे पाया है या यहां के अधिकारियों को मनमानी पूर्ण रवैया अपनाने की छूट दी गई है। दूर्भाग्य है शहडोल संभाग क्षेत्र का कि यहां के जनप्रतिनिधि जिनको हम विधायक सांसद और मंत्री कहते हैं यह चुनाव जीतने और मंत्री बनने के बाद से जनता की सुविधाओं और समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं वैसे भी भाजपाई विधायकों सांसद और मंत्रियों की अक्षमता क्षेत्र के विकास और क्षेत्र की जनता की समस्याओं के प्रति अरुचि को प्रदर्शित करता है।

फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अनूपपुर। थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा अपराध क्र. 224/25 धारा 119(1), 296, 351(3), 115(2), 3(5) बीएनएस का प्रकरण फरियादी विक्रम सिंह पिता स्व. राजकरण सिंह उम्र 37 साल निवासी वार्ड न 14 ईटा दफाई भालूमाडा का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट कराया रिपोर्ट पर उपरोक्त अपराध सदर कायम कर विवेचना की जा रही थी विवेचना के दौरान कई बार आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया गया पुलिस को चक्मा देकर फरार हो जाता रहा एवं लगातार 2 माह से फरार था जिसे 15 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर टीम द्वारा दबिश देकर आरोपी निहाल खान पिता अब्दुल जब्बार खान निवासी वार्ड क्र. 12 डबल स्टोरी भालूमाडा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर जे आर पर न्यायालय पेश किया गया माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेजा गया है। आरोपी के बिरुद्ध थाना कोतमा,थाना भालूमाडा, थाना जैतहरी में काई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

खेल-खेल में धोखाधड़ी करने वालों से पुलिस ने कर दिया खेला

गेमिंग एप के माध्यम से धोखाधड़ी करने वालों पर कार्रवाई

55 एटीएम कार्ड समेत 40 पासबुक व नगदी बरामद, 7 आरोपी गिरफ्तार

अंतर्राज्जयीय गिरोह पुलिस के शिकंजे मे

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान को विश्वनीय सूत्र से जानकारी मिली कि अनूपपुर जिले में गेमिंग एप में दोगुना तिगुना रकम देने का लालच देकर धोखाधड़ी की जा रही है और आनलाईन सट्टा भी खिलाया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

उक्त गिरोह का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा थाना कोतवाली एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम का गठन किया गया जिसमे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम के द्वारा अब तक इस गिरोह के कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जिसमें से 05 आरोपियों को पुलिस टीम द्वारा इन्दौर से गिरफ्तार किया गया है।

एक शिकायत ने सबको लपेटा

12.07.25 को फरियादी दीपक राठौर पिता बेसाहूलाल राठौर उम्र 35 वर्ष निवासी अनूपपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक से मिलकर शिकायत दी गई कि संस्कार जायसवाल एवं घनश्याम बसोर दोनो निवासी कोतमा द्वारा गेमिंग एप में पैसा लगाकर पैसा दोगुना, तिगुना करने का लालच देकर धोखाधड़ी कर पांच हजार रूपये की धोखाधड़ी की गई है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 350/25 धारा 318(4), 3(5), 112 बीएनएस 4(क) पब्लिक गैम्बलिंग ऐक्ट पंजीबद्ध किया गया। टीआई कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिहं, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, शिवशंकर प्रजापति, संदीप साहू, महेन्द्र राठौर, सायबर सेल प्रभारी प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार, आरक्षक-पंकज मिश्रा की टीम द्वारा आरोपी संस्कार जायसवाल पिता भरत जायसवाल उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड न. 05 कोतमा एवं घनश्याम बसोर पिता स्व. मोटू बसोर उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड न. 09 शिव मंदिर के पीछे कोतमा को गिरफ्तार करने पर खुलासा हुआ कि उक्त गिरोह का नेटवर्क इन्दौर शहर से चलाया जा रहा है।

7 आरोपी चढे पुलिस के हत्थे

इन्दौर के प्लेटिनम पैराडाइज कालोनी के फ्लैट में रहकर भिलाई (छ.ग.) निवासी मोहम्मद कैफ एवं मोहम्मद रिजवान के द्वारा आनलाईन गेमिग एप 11x play और myfairplay में आनलाईन सट्टा से दोगुना और तीनगुना रकम का लालच देकर धोखाधड़ी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा इन्दौर भेजी गयी संयुक्त टीम के द्वारा रेड कार्यवाही कर पांच आरोपियों प्रवीण पण्डित पिता इन्द्रदेव पण्डित उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम भदना थाना आन्द्रा थारी जिला मधुबनी बिहार, सानित मानिकपुरी पिता धनेश्वर मानिकपुरी उम्र 22 वर्ष निवासी कठौतिया थाना मेंहदवानी जिला डिण्डौरी, सारिक अली पिता सलीम खान उम्र 23 वर्ष निवासी भिलाई पावर हाऊस जिला भिलाई छ.ग. रोहित जोशी पिता महाजन जोशी उम्र 23 वर्ष निवासी कैम्प नम्बर 01 रोड नम्बर 18 भिलाई छ.ग., आकाश कटारे पिता ओमप्रकाश कटारे उम्र 24 वर्ष निवासी सेक्टर न. 07 भिलाई छ.ग. को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली अनूपपुर लाया गया है।

55 एटीएम कार्ड समेत 40 पासबुक व नगदी बरामद

पुलिस द्वारा अब तक गिरफ्तार आरोपियो से वारदात में प्रयुक्त 03 टेबलेट, 13 एण्ड्रायड मोबाईल फोन, 20 सिम कार्ड, 40 पासबुक, 55 एटीएम कार्ड एवं 25000 रूपये नगदी जप्त किये गये है एवं आरोपियो के बैंक एकाउण्ट फ्रीज करा दिये गये है। पुलिस द्वारा आरोपियों का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियो के द्वारा अनूपपुर जिले के अन्य आरोपियो के बारे में भी खुलासा किया है जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम भेजी गई है। उक्त गिरोह के द्वारा वारदात को अंजाम देने के लिए विभिन्न बैंकों में खोले गये म्यूल बैंक एकाउण्ट की जानकारी भी एकत्र की जा रही है।

महादेव सट्टा एप से हो सकता है कनेक्शन

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद कैफ और मोहम्मद रिजवान का संबंध महादेव सट्टा एप से भी हो सकता है। गिरफ्तार आरोपियों ने अनूपपुर जिले के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी दी है। इसमें और नाम भी जुड़ सकते हैं। गिरफ्तारी के लिए टीमें भेजी जा चुकी है। साथ ही गिरोह के बैंकों में खोले गए खातों की जांच भी की जा रही है, वहीं मुख्य आरोपी मोहम्मद कैफ और मोहम्मद रिजवान की भी तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अनूपपुर पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा एडवाइजरी जारी करते हुए जिले के नागरिको से आग्रह किया है कि रकम को दोगुना एवं तिगुना करने के लालच में किसी भी प्रकार के गेमिंग एप या आनलाईन सट्टा जैसे नेटवर्क से सावधान रहे एवं इस तरह के फोन काल या व्यक्ति के द्वारा सम्पर्ककरने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

सड़क बिना कीचड़ से गुजरकर पढ़ाई करने को मजबूर बच्चे

सड़क नहीं बनने पर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

ग्राम पंचायत जैथारी के नूरपुरा टोला के 20 परिवार बारिश में दलदल में फंसे हैं। यहां एक किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग कीचड़ में बदल गया है। ज्यादा बारिश होते ही गांव का जैथारी पंचायत मुख्यालय से संपर्क टूट जाता है। बीमारों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है। वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। कीचड़ के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या कई सालों से बनी हुई है। कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई। हर बार चुनाव के समय नेता आते हैं, वादे करते हैं, और चले जाते हैं। ग्रामीण रजनी बाई, हल्की बाई, रंजीत पोरते, मंगल आदिवासी और अन्य ने कहा कि अगर जल्द सड़क नहीं बनी तो गांव वाले चुनाव का बहिष्कार करेंगे। उनका कहना है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा। सड़क बनवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है वही पंचायत सचिव लोकेश तिवारी ने बताया कि पहले पीडब्ल्यूडी ने इस सड़क का ठेका दिया था। रोड स्वीकृत भी हो गया था, ठेकेदार गुजरात का था। अब आगे की जानकारी पीडब्ल्यूडी के एसडीओ से मिलेगी।

पुत्र वियोग की पीड़ा में डूबे पिता ने फांसी लगाकर समाप्त की जीवन लीला

गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 4, बराती काठजू ग्राम में एक हृदय विदारक घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया।

गांव के निवासी कुंवरलाल बैगा (उम्र 60 वर्ष), जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय सादगी और मेहनत में व्यतीत किया, जिसने पुत्र वियोग की पीड़ा सहन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर ली। गत वर्ष उनके इकलौते पुत्र सुखसेन बैगा (उम्र लगभग 35-36 वर्ष) का असामयिक निधन हो गया था। उस आघात ने कुंवरलाल बैगा के जीवन में शून्यता भर दी थी। पुत्र के जाने के बाद वे निरंतर गहन शोक और आत्मग्लानि में डूबे रहते थे। सोमवार, 14 जुलाई की सायं 7:30 बजे, कुंवरलाल बैगा ने अपनी ही कुटिया में मयार में रस्सी बांधकर गले में फांसी का फंदा डाल आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि उस क्षण वे पूरी तरह से टूट चुके थे और जीवन से मोह समाप्त हो चुका था। घटना की सूचना वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमती कल्पना सुरेश, पिता श्री लालमणि सुरेश ने तत्काल थाना अमरकंटक में दी। पुलिस ने मामला पंजी क्रमांक 24/25 बीएनएस की धारा 194 के तहत दर्ज कर लिया है। नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी के मार्गदर्शन में सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर यादव द्वारा घटना की विवेचना की जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके उपरांत गमगीन वातावरण में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। कुंवरलाल बैगा की इस दुखद आत्महत्या ने पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है। ग्रामवासी और रिश्तेदारों में गहन शोक व्याप्त है। यह घटना समाज के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ती है कि किस प्रकार मानसिक आघात और पारिवारिक दुख किसी भी व्यक्ति को भीतर तक तोड़ सकता है।

44 मिर्गी रोगियों का फॉलोअप कर एक माह की दवा का किया गया वितरण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मंगलवार को मिर्गी रोगियों का फॉलोअप सहायता बैठक जिला चिकित्सालय में आयोजित किया गया। जिसमें एम्स दिल्ली के डॉ. हेमंत शर्मा द्वारा कुल 44 मिर्गी रोगियों का जांच कर फॉलोअप किया गया। इस बैठक में रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति की समीक्षा की गई और उन्हें एक माह की दवा वितरण किया गया। इस अवसर पर काउंसलर द्वारा रोगियों को उचित स्वास्थ्य सलाह और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक का उद्देश्य रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और उनकी स्थिति में सुधार लाना है। बैठक में जिला चिकित्सालय के डॉ. प्रवीण सोनी, प्रभा सिंह एवं जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी संस्था के जिला समन्वयक विनय कुमार विश्वकर्मा, जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी संस्था के काउंसलर पवन गुप्ता, लक्ष्मी पाटकर, वैभवी दुबे, रोशनी राठौर आदि उपस्थित रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में बंदरों का आतंक, तीर्थयात्री और श्रद्धालु हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक, जो मां नर्मदा की उद्गम स्थली है, वर्तमान में बंदरों के बढ़ते आतंक से जूझ रही है। तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु जो यहां नर्मदा दर्शन, पूजा-अर्चना एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव लेने आते हैं, बंदरों की शरारतों और आक्रामक व्यवहार के कारण भारी असुविधा का सामना कर रहे हैं। नर्मदा मंदिर, सोनमुणा, सनराइज प्वाइंट, कपिलधारा वॉटरफॉल और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर बंदरों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ये बंदर श्रद्धालुओं के हाथ से प्रसाद, फल-फूल और अन्य सामग्री छीन लेते हैं, कभी-कभी हमला भी कर बैठते हैं, जिससे भय का माहौल बन गया है। स्थानीय व्यापारियों और पर्यटकों ने कई बार शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह स्थिति अमरकंटक की धार्मिक और पर्यटन छवि को प्रभावित कर रही है। हम अमरकंटक प्रशासन और वन विभाग से अनुरोध करते हैं कि बंदरों की इस समस्या पर शीघ्र ध्यान दिया जाए। आवश्यक कार्रवाई जैसे कि बंदरों को पकड़कर सुरक्षित जंगल क्षेत्रों में स्थानांतरित करना, चेतावनी बोर्ड लगाना, और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करना अति आवश्यक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और अमरकंटक की गरिमा बनाए रखने हेतु प्रशासन से शीघ्र ठोस पहल की अपेक्षा की जाती है।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे सफाई मित्र, सड़क नाली का अभाव

कीचड़ भरे रास्तों से चलना हुआ मुश्किल, बारिश में होती परेशानी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

नगर में सफाई मित्रो के दम पर पूरे नगर पालिका क्षेत्र की सफाई का जिम्मा है और इन्हीं के भरोसे पूरे नगर में स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाता है लेकिन उन्ही सफाई मित्रों का परिवार गंदगी एवं कीचड़ के बीच रहने को मजबूर है। वर्तमान मे जहां पूरे नगर मे सड़क नाली का निर्माण कार्य करवायें हुए विकास कार्य किया जा रहा है, वही लंबे अरसे से सफाई मित्रों की मांग को दरकिनार किया जा रहा है। आज तक सड़क नाली का निर्माण नपा प्रशासन के द्वारा सफाई मित्रों के मोहल्ले मे नहीं करवाया गया। इस मोहल्ले में मिट्टी की सड़क है उसमें भी जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं और उसमें गंदा पानी भरे होने के साथ ही बारिश के दिनों मे कीचड़ हर समय बना रहता है। नगर पालिका द्वारा इस बस्ती में सड़क निर्माण करवाने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सफाई मित्रों का परिवार कई बार नपा प्रशासन से नाली एवं सड़क निर्माण करवाये जाने की मांग कर चुका है लेकिन आज तक सफाई मित्रों के मोहल्ले मे ध्यान नहीं दिया गया जिससे यह लोग नरकीय जीवन जीने को विवश है। सड़क पानी और दूसरी मूलभूत सुविधाओं से दूर इन सफाई मित्रों के आवास के समीप ही गंदगी फैली रहती है। वर्तमान मे नगर पालिका प्रशासन के द्वारा वार्डों में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं जबकि इन्हीं के दम पर ही नगर स्वच्छता में अव्वल आने का दम भरता है और यही लोग मूलभूत सुविधा से वंचित हो रहे हैं।

आज भी बदहाली से जूझ रहे रहवासी

पूर्व में आवास की समस्या से जूझ रहे सफाई मित्रों के लिए कोई व्यवस्था

नहीं थी। 7 वर्ष पूर्व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष स्वर्गीय राजेश सोनी द्वारा वार्ड क्रमांक 07 में एलआईसी के पीछे शासकीय भूमि आवंटित करवाया गया था जिसमें कुछ लोगों को पीएम आवास का लाभ दिलवाया गया वहीं कुछ लोग स्वयं के व्यय से मकान बनाकर रहने लगे, लेकिन 7 वर्ष बीतने के बाद भी सफाई मित्रों का परिवार मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशान है। एलआईसी के पीछे निवास करने वाले सफाई मित्रों का कहना है कि हमारा परिवार जहां पर निवास कर रहा है वहां पर विकास के नाम पर कुछ भी नहीं किया गया। हमारे बार-बार कहने के बाद भी ना तो नाली और ना ही सड़क का निर्माण करवाया गया जिससे हम लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। घरो से निकलने वाला गंदा पानी आसपास इकट्ठा होने के कारण गंदगी बनी रहती है जिसके कारण मच्छर पनपते हैं और हमारे परिवार के सदस्यों को हर समय घातक बीमारी मलेरिया डेंगू होने का खतरा बना रहता है। सबसे ज्यादा परेशानी बरसात के दिनों मे होती है कच्ची सड़क होने के कारण कीचड़ हो जाता है जिसके कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। नहीं दे रहे ध्यान मोहल्ले में निवास करने वाली महिला गुजरिया बाई विशमोगरे ने बताया कि हर वर्ष बारिश के दौरान यहां समस्या उत्पन्न हो जाती है सड़क और नाली नहीं होने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है नगर पालिका के हम कर्मचारी हैं और हमारी ही सुनवाई नहीं होती। 30 से 40 परिवार यहां निवास करते हैं किंतु यहां के विकास को लेकर कोई भी कार्य नहीं किया जा रहा है। हमारे मोहल्ले में नाली सड़क की सुविधा के लिए सफाई मित्रों का परिवार नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ एवं सीएमओ प्रदीप झारिया से कई बार निवेदन कर चुका है, लेकिन ध्यान नही दिये जाने के कारण जाता गंदगी एवं कीचड़ के बीच रहने को मजबूर है। नगर पालिका के द्वारा हमारे मोहल्ले में सड़क नाली की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाए जिससे हम लोग नरकीय जीवन जीने से उबार सके।

सब कुछ अनियमित

यही हाल ललिता विशमोगरे का भी है उसने बताया कि सफाई मित्रों का परिवार आज दस वर्षों से यहां पर निवास कर रहा हैं लेकिन नगर पालिका के द्वारा यहां पर किसी भी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं नही दी गई है घर के आसपास ही गंदगी फैली हुई है झाड़ियां उगी हुई है बारिश का मौसम होने के कारण कीचड़ होने के कारण बच्चे खेल भी नहीं पा रहे है फिर भी यह अव्यवस्था दूर नहीं हो पा रही है। घरों के निस्तार का गंदा पानी नाली के अभाव मे सड़क पर ही बहता है। वर्तमान पार्षद के द्वारा भी आश्वासन दिया गया था लेकिन वह आश्वासन भी कोरा नजर आता दिखाई दे रहा है।

सिर्फ मिल रहा आश्वासन

मोहल्ले के ही सफाई मित्र रिंकू कुमार का कहना है कि विकास को लेकर सिर्फ आश्वासन ही दिए जाते रहे हैं। चुनाव के ठीक पहले विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और चुनाव होने के साथ ही इन वादो को भुला दिया जाता है। हमारे मोहल्ले में नाली सड़क नहीं होने के कारण निस्तार का पानी कच्ची सड़क में बहता रहता है। दर्जनों बार हमारे द्वारा आवेदन दिया जा चुका है किंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। नगर में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे है लेकिन हम सफाई मित्रों की परेशानी की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। हमारे मोहल्ले में सड़क एवं नाली की बहुत ही जरूरत है हम लोग प्रतिदिन भोर से उठकर नगर की साफ सफाई करते हैं लेकिन हम व हमारा परिवार गंदगी एवं कीचड़ के बीच रहने को मजबूर है बारिश का मौसम शुरू हो गया है हमारे परिवार की महिलाओं एवं बच्चों के लिए परेशानी लेकर बारिश का मौसम शुरू हो गया है मोहल्ले में कीचड़ ही कीचड़ भरा रहता है। वर्तमान विधायक एवं मंत्री दिलीप जायसवाल के द्वारा चुनाव के समय आश्वासन भी दिया गया था कि इस मोहल्ले मे सड़क नाली निर्माण का कार्य चुनाव बीतने के साथ ही शुरू करवाया जायेगा लेकिन दो बर्ष बीतने के बाद भी सड़क नाली की समस्या से हम लोग जूझ रहे हैं।